Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to provide Rajasthan its share of water from Ravi and Beas rivers-laid.

श्री राहुल कस्वां (चुरू): 0.17 MAF पानी राजस्थान के सिधमुख-नोहर क्षेत्र के लिए बहाव पद्धति द्वारा सिंचाई हेतु 0.47 एम. ए. एफ. पानी का आवंटन किया गया था, वर्तमान में यह पानी 0.30 एम. ए. एफ. ही मिल रहा है । शेष पानी के लिए केन्द्रीय जल आयोग की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस बात की पुष्टि की, कि पंजाब सरकार ने भाखड़ा मेन लाईन की क्षमता बहाली का वांच्छित कार्य पूर्ण कर लिया है, और भाखड़ा मेन लाईन की क्षमता बहाल हो गई है । इसलिए अधिशेष रावी - व्यास जल के हिस्से में से 0.17 एम. ए. एफ. (एक्स नांगल) जल शीघ्र आवंटन किया जाए, सिधमुख-नोहर क्षेत्र के लिए अधिकृत जल 0.47 एम.ए.एफ. के हिसाब से सिंचित क्षेत्र का डिजाइन तैयार किया गया था, 0.17 एम.ए.एफ. पानी नहीं मिलने के कारण व नहर के अलाइमेन्ट में परिवर्तन के कारण, भादरा तहसील के 14 गांव , तारानगर तहसील 2 व नोहर क्षेत्र के 6 गांवों को इसे वंचित कर दिया गया । इसी तरह से चौधरी कुम्भाराम आर्य लिफ्ट से नोहर के 6 गावों को वंचित कर दिया गया । वर्तमान में नोहर, भादरा व तारानगर के कुल 28 गांवों के किसी भी सिंचाई योजना से नहीं जुड़ने के कारण किसान निराश है और वे पिछले 3 माह से धरने पर बैठे है, पानी की भयंकर समस्या है । किसानों की मांग है कि इन गावों को चौधरी कुम्भाराम आर्य लिफ्ट से जोड़ा जाए ।